कार्तिक आर्यन के साथ जोड़ी बनाएंगी जैकलीन फर्नांडीज
पेज-20

राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

■ लखनऊ ■ नई दिल्ली ■ गोरखपुर ■ पटना
■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित

लखनऊ
बृहस्पतिवार • 6 सितम्बर • 2018
पृष्ठ 20, मूल्य ` 3.00

धारा के साथ नाव को कोई भी चला सकता है, लेकिन असली नाविक वो ही होता है जो धारा के विपरीत नाव को चलाए।
राम विलास पासवान, केंद्रीय मंत्री

गुरु ही विकसित करता है अस्तित्व व व्यक्तित्व : बृजेश पाठक

लखनऊ (एसएनबी)। सूबे के न्याय व कानून मंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि हमें अपने गुरूजनों का सम्मान करना चाहिए। व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व दोनों ही विभिन्न गुरुजनों द्वारा विकसित किए जाते है। व्यक्ति यदि कोई मुकाम हांसिल करता है तो उसमें उसके गुरुजनों की महती भूमिका रहती है। ऐसे में हमें गुरूजनों का सम्मान करना चाहिए। श्री पाठक डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में बुधवार को विवि के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक के अध्यक्षता में शिक्षक दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। समारोह में झारखंड प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति प्रो. गोपाल पाठक और प्राविधिक शिक्षा सचिव बतौर मुख्य अतिथि मंचासीन रहे। इस अवसर पर नौ शिक्षकों को सम्मानित किया गया, जिनमें 5 वरिष्ठ और 4 युवा शिक्षक शामिल हैं।

समारोह में बतौर विशिष्ठ अतिथि के रूप में मौजूद भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि यदि हमें भारतवर्ष को विश्वगुरू के रूप में पुनः स्थापित करना है तो अपनी संस्कृति और परम्पराओं पर विश्वास करना प्रारंभ करना होगा। उन्होंने शिक्षा और दीक्षा में अंतर बताया और कहा कि शिक्षा तो कहीं से भी प्राप्त की जा सकती है पर दीक्षा सिर्फ गुरू ही प्रदान कर सकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जितना सूक्ष्म में जाओगे उतना ही सही ज्ञान आपको प्राप्त होगा। जीरो से लेकर दशमलव तक भारतीय वैज्ञानिकों ने खोजा है। हमें स्वयं पर विश्वास करना होगा और अपनी संस्कृति और परम्पराओं के पथ पर चल कर शोध कार्यों में भागीदारी करनी होगी। फिर हमें विश्व गुरू बनने से कोई नहीं रोक सकेगा। एकेटीयू के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान हमारी परंपरा रही है। इसी क्रम में इस शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। आईईटी के निदेशक प्रो. एचके पालीवाल ने कार्यक्रम में पधारे सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया।

शिक्षा की चुनौतियां विषय पर परिचर्चा : इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा की चुनौतियां विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। उक्त विषय पर प्रो.जय प्रकाश, प्रो. भरत राज सिंह, प्रो. ओपी सिंघल और प्रो. आरपी महेश्वरी ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. जय प्रकाश ने शिक्षकों की कमी को पूरा करने की बात कही। जबकि प्रो. ओपी सिंघल और प्रो. आरपी महेश्वरी ने तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता विकास की बात कही। प्रो. भरत राज सिंह ने आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए प्रयास करने का सुझाव दिया।

इनोवेशन गैलरी का हुआ उद्घाटन : न्याय एवं कानून मंत्री बृजेश पाठक एवं बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने समारोह के दौरान एकेटीयू के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक की मौजूदगी में 'कलाम इनोवेशन गैलरी' का उद्घाटन किया। एकेटीयू के प्रवक्ता आशीष मिश्रा ने बताया कि कलाम इनोवेशन गैलरी में 9 प्रोटोटाइप्स को प्रदर्शित किया गया।

आईईटी परिसर में सांस्कृतिक संध्या : शिक्षक दिवस के अवसर पर एकेटीयू के सीतापुर रोड के आईईटी परिसर स्थित पं राम प्रसाद विस्मिल सभागार में बुधवार की शाम सांस्कृतिक संध्या आयोजित हुई। इस अवसर पर गायक श्रुति जोशी एवं कैलाश जोशी की युगल जोड़ी ने अपनी सुरीली आवाज से उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विश्व गुरू के रूप में पुनः स्थापित होगा भारत : सुधांशु त्रिवेदी

शिक्षकों के सम्मान की परम्परा रहेगी बरकरार : प्रो. विनय पाठक

इन शिक्षकों को मिला सम्मान

प्रो. जय प्रकाश, एमएनआईटी, इलाहाबाद
प्रो. भरत राज सिंह, एसएमएस, लखनऊ
प्रो. आरपी महेश्वरी, आरकेजीआईटी, गाजियाबाद
प्रो. एलएन पालीवाल, एमएनआईटी, इलाहाबाद
प्रो ओपी सिंघल, जीबी पन्त यूनिवर्सिटी, पन्त नगर
डा. योगेश कुमार मिश्रा, केएनआईटी, सुल्तानपुर
डा. ऋतु गुलाटी, एफओए, लखनऊ
डा. विमल किशोर, बीआईईटी, झाँसी
डा. प्रगति शुक्ला